

भारत सरकार
Government of India
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एम. ओ. ई. एस.)
Ministry of Earth Sciences (MoES)



भारत मौसम विज्ञान विभाग

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

साल 2026 में मॉनसून पश्चात की ऋतु में वर्षा का और अक्टूबर 2026 के दौरान की वर्षा और तापमान का ऋतुनिष्ठ दृष्टिकोण (सीजनल आउटलुक)

Seasonal outlook for Rainfall during Post-Monsoon Season 2026 and Rainfall and Temperature during October 2026

मुख्य बातें

- क) दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत (जिसमें पांच मौसम विज्ञान संबंधी उपखंड शामिल हैं: तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; रायलसीमा; केरल और माहे; और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक) में अक्टूबर से दिसंबर (OND) के दौरान ऋतुनिष्ठ वर्षा के सामान्य (दीर्घावधि औसत (एलपीए/LPA) का 88-112%) रहने की सबसे अधिक संभावना है। देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है, सिवाय उत्तर-पश्चिम भारत और प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिणी हिस्सों के कुछ इलाकों को छोड़कर, जहां वर्षा सामान्य या सामान्य से अधिक होने की संभावना है।
- ख) अक्टूबर 2026 के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा सामान्य से कम (एलपीए/LPA का <85%) रहने की संभावना है। अक्टूबर 2026 में, देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है, सिवाय उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्रों, प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिणी हिस्सों और पूर्वी भारत के छिटपुट क्षेत्रों के, जहाँ सामान्य या सामान्य से अधिक होने की संभावना है।
- ग) अक्टूबर में, देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, सिवाय पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों और मध्य तथा उत्तर-पश्चिम भारत के छिटपुट हिस्सों को छोड़कर, जहां अधिकतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है। अक्टूबर के दौरान, देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, सिवाय पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों को छोड़कर, जहाँ सामान्य से कम न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है।
- घ) वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में मजबूत अल-नीनो (El Niño) की स्थिति बनी हुई है, जिसमें समुद्र की सतह का तापमान औसत से काफी अधिक है (विशेषकर पूर्व-मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में)। मॉनसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम (एमएमसीएफएस/MMCFS) और अन्य प्रमुख जलवायु मॉडलों के पूर्वानुमान बताते हैं कि साल के अंत तक अल-नीनो और मजबूत होता रहेगा।
- ड) वर्तमान में हिंद महासागर में तटस्थ हिंदी महासागर द्विध्रुव (न्यूट्रल इंडियन ओशन डाइपोल) (आईओडी/IOD) की स्थिति बनी हुई है। नवीनतम (एमएमसीएफएस/MMCFS) पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि पूर्वोत्तर (NE) मॉनसून ऋतु के दौरान तटस्थ आईओडी/IOD की स्थिति बनी रहने की संभावना है।
- च) IMD अक्टूबर 2026 के अंत में नवंबर 2026 के दौरान वर्षा और तापमान के लिए पूर्वानुमान जारी करेगा।

1. पृष्ठभूमि

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत, जिसमें मौसम विज्ञान संबंधी पाँच उपखंड (तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; रायलसीमा; केरल और माहे; तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक) शामिल हैं, अपनी वार्षिक वर्षा का लगभग 30% हिस्सा उत्तर-पूर्वी मॉनसून ऋतु (अक्टूबर से दिसंबर) के दौरान प्राप्त करता है। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में वार्षिक वर्षा का लगभग 48% हिस्सा उत्तर-पूर्वी मॉनसून ऋतु में होता है। इस अवधि के महत्व को समझते हुए, IMD 1998 से सांख्यिकीय मॉडलों का उपयोग करके दक्षिण प्रायद्वीप के लिए ऋतुनिष्ठ वर्षा का पूर्वानुमान जारी कर रहा है और इन पूर्वानुमान प्रणालियों की सटीकता को लगातार बेहतर बना रहा है।

2021 में, IMD ने देश भर में बारिश के लिए मासिक और ऋतुनिष्ठ संक्रियात्मक पूर्वानुमान जारी करने की एक नई रणनीति अपनाई। यह तरीका मौजूदा सांख्यिकीय पूर्वानुमान प्रणाली को एक नई विकसित 'मल्टी-मॉडल एनसेंबल' (एमएमई/MME)-आधारित प्रणाली के साथ जोड़ता है। MME तकनीक विभिन्न अंतरराष्ट्रीय जलवायु पूर्वानुमान और अनुसंधान केंद्रों के 'कपल्ड ग्लोबल क्लाइमेट मॉडल' (सीजीसीएम/CGCMs) का उपयोग करती है, जिसमें IMD का अपना 'मॉनसून मिशन क्लाइमेट फोरकास्ट सिस्टम' (एमएमसीएफएस/MMCFS) भी शामिल है। इस रणनीति का उपयोग करके, IMD वर्षा और तापमान (अधिकतम और न्यूनतम) के लिए कई तरह के ऋतुनिष्ठ और मासिक पूर्वानुमान जारी करता है।

मॉनसून पश्चात ऋतु (अक्टूबर से दिसंबर 2026) के लिए वर्षा का पूर्वानुमान, साथ ही अक्टूबर 2026 के लिए वर्षा और तापमान का आउटलुक नीचे दिया गया है।

2. अक्टूबर से दिसंबर (OND) 2026 के दौरान वर्षा का संभावित पूर्वानुमान

मानसून पश्चात ऋतु (अक्टूबर से दिसंबर (OND)) में दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में औसत वर्षा सामान्य (दीर्घावधि औसत (LPA) का 88-112%) रहने की सबसे अधिक संभावना है। 1971 से 2020 के आंकड़ों के आधार पर, मानसून पश्चात ऋतु में दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में वर्षा का दीर्घावधि औसत/LPA लगभग 334.1 मिमी है।

देश भर में मानसून पश्चात ऋतु के लिए वर्षा की टर्साइल श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से कम) के संभावित पूर्वानुमान का स्थानिक वितरण चित्र 1. में दिखाया गया है। संभावना पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की उम्मीद है, सिवाय उत्तर-पश्चिम भारत और प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिणी हिस्सों के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर, जहां वर्षा के सामान्य या सामान्य से अधिक होने की संभावना है। मानचित्र में दिखाए गए बिंदु वाले क्षेत्र में जलवायु विज्ञान के अनुसार अक्टूबर से दिसंबर ऋतु के दौरान बहुत कम बारिश होती है और मुख्य भूमि के भीतर सफेद छाया वाले क्षेत्र मॉडल से कोई संकेत नहीं दिखाते हैं।

रबी सीज़न के दौरान सामान्य से कम वर्षा मिट्टी की नमी, पानी की उपलब्धता, सिंचाई की जरूरतों और कृषि उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है, साथ ही सूखे के दौर, नमी की कमी और जलाशयों और भूजल के कम पुनः भरण (रिचार्ज) की संभावना बढ़ सकती है। हालांकि इस ऋतु में चरम मौसम की घटनाएं आम तौर पर कम होती हैं, लेकिन उनके होने और स्थानीय प्रभावों से इनकार नहीं किया जा सकता है।

इन संभावित जोखिमों को देखते हुए, पहले से तैयारी और बचाव के उपाय शुरू किए जा सकते हैं। समय पर निर्णय लेने में सहायता के लिए IMD की प्रारंभिक चेतावनी और सलाहकार सेवाओं, जिसमें मौसम का पूर्वानुमान, प्रभाव-आधारित पूर्वानुमान (IBF) और जोखिम-आधारित सलाह शामिल हैं, का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सकता है। अधिकारियों और हितधारकों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से पानी की उपलब्धता का आकलन करें, सिंचाई संसाधनों का अनुकूलन करें, जल संरक्षण और पानी के कुशल उपयोग को बढ़ावा दें और उपयुक्त कृषि आकस्मिक उपाय लागू करें। IMD की सलाह के आधार पर समय पर कार्रवाई तैयारी को मजबूत करने, संसाधन प्रबंधन में सुधार करने और कृषि और आजीविका पर संभावित प्रभावों को कम करने में मदद कर सकती है।

3. अक्टूबर 2026 के दौरान वर्षा का संभावित पूर्वानुमान

अक्टूबर 2026 के दौरान पूरे देश में औसत वर्षा सामान्य से कम (LPA का $< 85\%$) रहने की संभावना है। 1971 से 2020 के डेटा के आधार पर, अक्टूबर के महीने में देश में वर्षा का एलपीए/LPA (दीर्घावधि औसत) लगभग 75.4 मिमी है।

अक्टूबर 2026 के दौरान देश में वर्षा की टर्साइल श्रेणियों (सामान्य से अधिक, सामान्य और सामान्य से कम) के लिए संभावित पूर्वानुमान का स्थानिक वितरण चित्र 2. में दिखाया गया है। पूर्वानुमान से पता चलता है कि अक्टूबर 2026 में, देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है, सिवाय उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्रों, प्रायद्वीपीय भारत के दक्षिणी हिस्सों और पूर्वी भारत के छिटपुट क्षेत्रों के, जहाँ सामान्य या सामान्य से अधिक होने की संभावना है। ज़मीन वाले हिस्से में सफ़ेद रंग से दिखाए गए क्षेत्र मॉडल से कोई संकेत न मिलने को दर्शाते हैं। नक्शे में डॉट्स (बिंदुओं) से दिखाए गए क्षेत्र में जलवायु विज्ञान के अनुसार अक्टूबर के दौरान बहुत कम बारिश होती है।

4. अक्टूबर 2026 के दौरान देश में तापमान का संभावित पूर्वानुमान

चित्र 3ए. और चित्र 3बी. क्रमशः अक्टूबर 2026 के दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान दिखाते हैं।

अक्टूबर में, देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, सिवाय पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों और मध्य तथा उत्तर-पश्चिम भारत के छिटपुट हिस्सों को छोड़कर, जहाँ अधिकतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है (चित्र 3ए.)।

अक्टूबर के दौरान, देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है, सिवाय पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों को छोड़कर, जहाँ सामान्य से कम न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है (चित्र 3बी.)।

5. प्रशांत और हिंद महासागर में समुद्री सतह तापमान (एसएसटी/SST) की स्थिति

अभी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में मजबूत अल-नीनो की स्थिति बनी हुई है। इसकी खासियत यह है कि समुद्र की सतह का तापमान औसत से काफी ज्यादा है, विशेषकर पूर्व-मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में। मॉनसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम (MMCFS) और दुनिया के अन्य प्रमुख जलवायु मॉडलों के पूर्वानुमान बताते हैं कि कि साल के अंत तक अल-नीनो और मजबूत होता रहेगा।

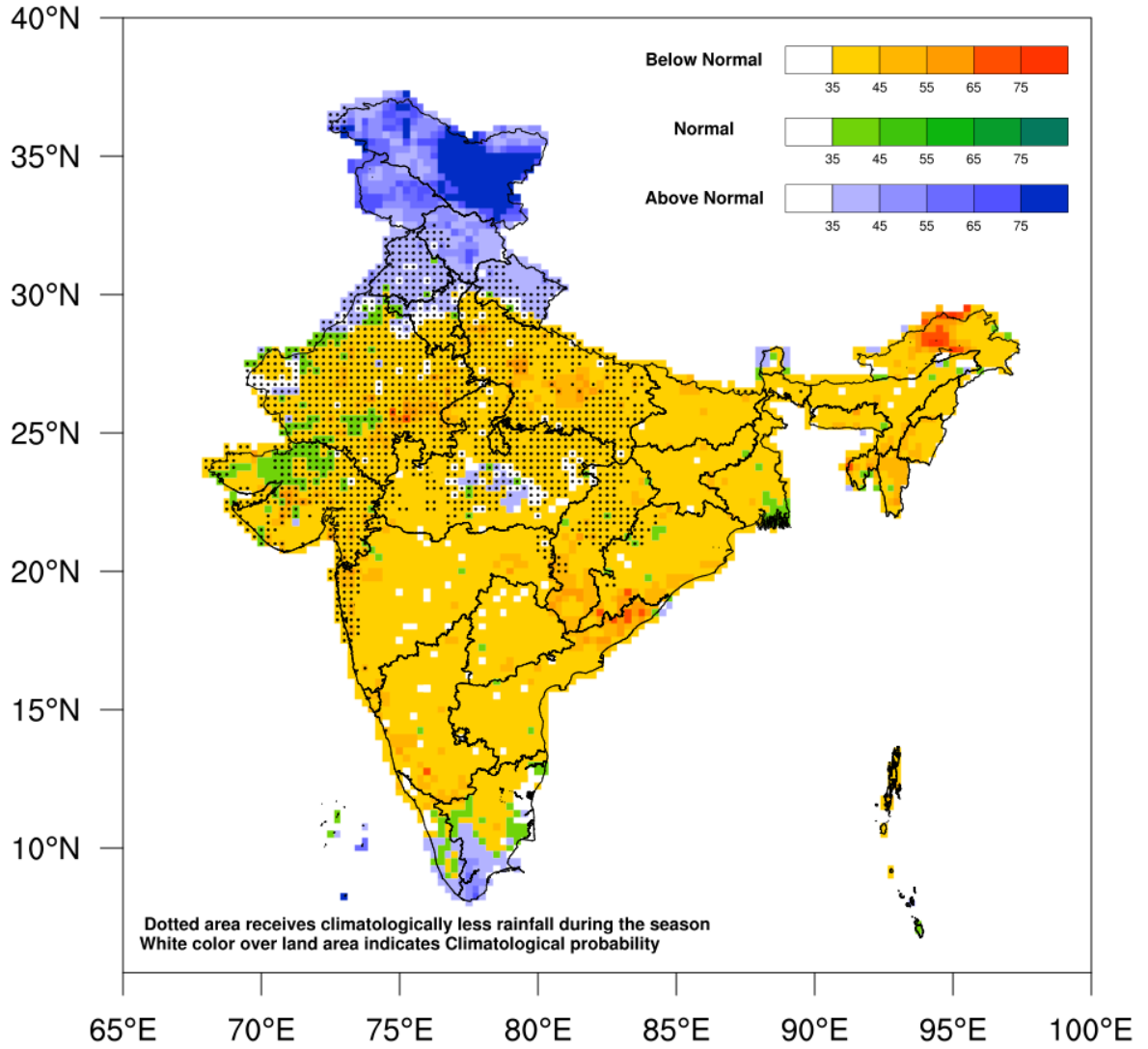
अभी हिंद महासागर में तटस्थ हिंदी महासागर द्विध्रुव (न्यूट्रल इंडियन ओशन डाइपोल) (आईओडी/IOD) की स्थिति बनी हुई है। मॉनसून मिशन कपल्ड फोरकास्ट सिस्टम (MMCFS) के पूर्वानुमान से पता चलता है कि उत्तर-पूर्वी (NE) मॉनसून ऋतु के दौरान तटस्थ/न्यूट्रल IOD की स्थिति बने रहने की सबसे ज्यादा संभावना है।

6. विस्तारित रेंज पूर्वानुमान (एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्ट) और लघु से मध्यम रेंज पूर्वानुमान (शॉर्ट से मीडियम रेंज फोरकास्ट) सेवाएँ

ऋतुनिष्ठ पूर्वानुमान (सीजनल फोरकास्ट) के अलावा, IMD देश भर में वर्षा और अधिकतम व न्यूनतम तापमान के लिए विस्तारित रेंज पूर्वानुमान/एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्ट (अगले चार हफ्तों के लिए 7-दिन का औसत फोरकास्ट) तैयार करता है और उपलब्ध कराता है। इसे हर हफ्ते बृहस्पतिवार को अपडेट किया जाता है। यह IMD में अभी चल रहे मल्टी-मॉडल एनसैंबल डायनामिकल एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्टिंग सिस्टम पर आधारित है। एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्ट IMD की वेबसाइट (https://mausam.imd.gov.in/imd_latest/contents/extendedrangeforecast.php) पर उपलब्ध हैं।

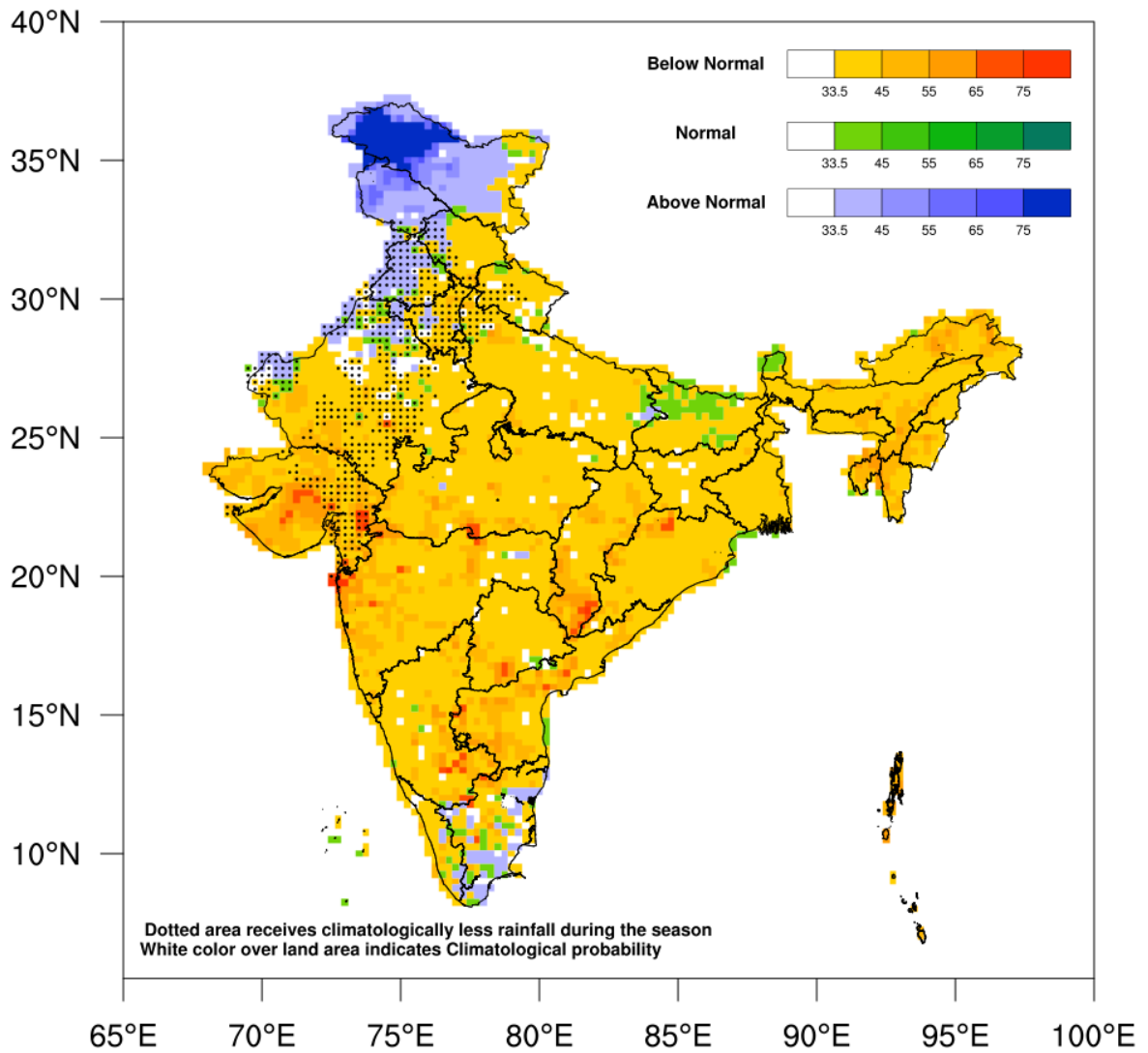
एक्सटेंडेड रेंज फोरकास्ट के बाद, IMD रोजाना लघु से मध्य रेंज पूर्वानुमान (शॉर्ट से मीडियम रेंज फोरकास्ट) जारी करता है। ये पूर्वानुमान IMD की वेबसाइट (https://nwp.imd.gov.in/gfsproducts_cycle00_mausam.php) पर उपलब्ध हैं।

Probability rainfall forecast for 2026 October to December Season



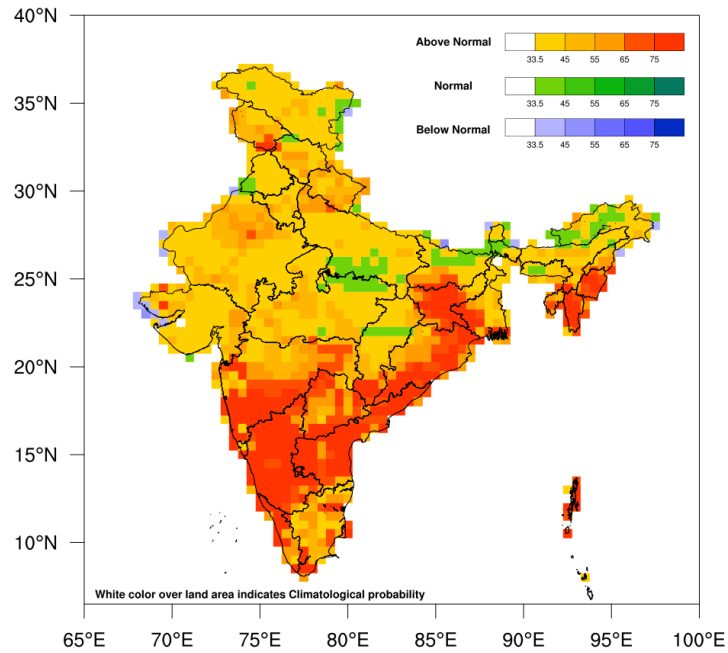
चित्र 1. अक्टूबर से दिसंबर, 2026 की अवधि के दौरान भारत में वर्षा की टर्साइल श्रेणियों* (सामान्य से कम, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभावना पूर्वानुमान। यह चित्र सबसे संभावित श्रेणियों और उनकी संभावनाओं को दिखाता है। ज़मीन वाले हिस्से में सफेद छाया वाले क्षेत्र मॉडल से कोई संकेत न मिलने को दर्शाते हैं। (*टर्साइल श्रेणियों की जलवायु-संबंधी संभावनाएँ बराबर होती हैं, जो प्रत्येक की 33.33% हैं)। जलवायु-विज्ञान के अनुसार, बिंदुदार क्षेत्रों में इस ऋतु के दौरान कम बारिश होती है।

Probability rainfall forecast for October 2026



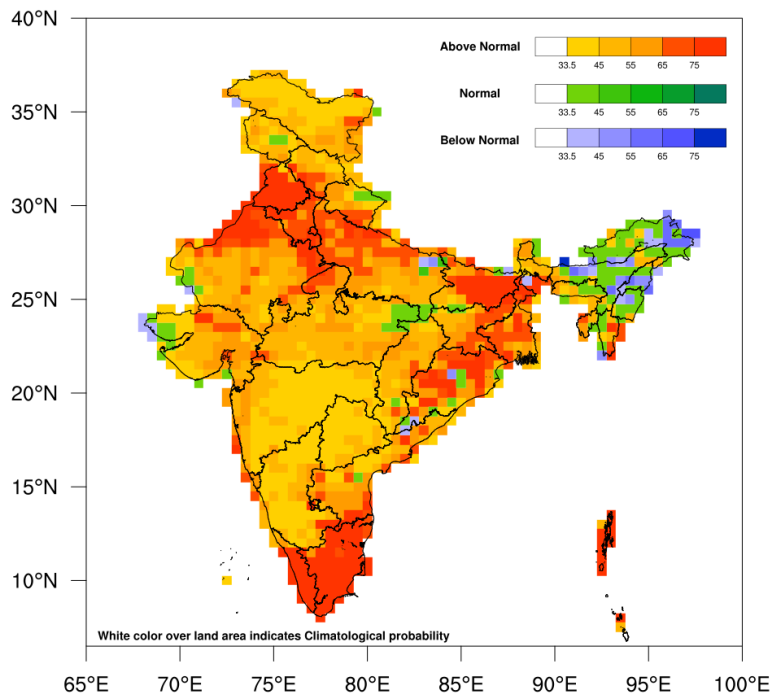
चित्र 2. अक्टूबर 2026 के दौरान भारत में बारिश की टर्साइल कैटेगरी* (सामान्य से कम, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभावना पूर्वानुमान। यह चित्र सबसे संभावित श्रेणियों और उनकी संभावनाओं को दिखाता है। मुख्य भूमि के भीतर सफेद छाया वाले क्षेत्र मॉडल से कोई संकेत न मिलने को दर्शाते हैं। जलवायु विज्ञान के अनुसार, डॉट वाले क्षेत्रों में अक्टूबर के दौरान कम बारिश होती है (*टर्साइल कैटेगरी की जलवायु-संबंधी संभावनाएँ बराबर होती हैं, जो प्रत्येक की 33.33% हैं)।

Maximum Temperature Outlook for October 2026



चित्र 3ए. अक्टूबर 2026 के दौरान भारत में अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।

Minimum Temperature Outlook for October 2026



चित्र 3बी. अक्टूबर 2026 के दौरान भारत में न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।